ज्ञानदीप

अंक 98

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन
To Beam As A Beacon of Knowledge

भारत सरकार
रेल मंत्रालय
भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे – 411 001
(आई.एस.ओ. : 9001–2008 प्रमाणित भारतीय रेल का प्रथम केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान)
Government of India
Ministry of Railways
INDIAN RAILWAYS INSTITUTE OF CIVIL ENGINEERING PUNE 411001
(Indian Railways First ISO-9001-2008 Certified Centralized Training Institute)

संस्थान – डी ओ टी (020)
26126816, 26123436
रेलवे : 62731

छात्रावास – डी ओ टी
(020) 26123436, 26126816, मो 7420041134
रेलवे : 62101, 62158

फॅक्स : 020-26128677 रेलवे : 55860
ई–मेल : mail@iricen.gov.in
वेबसाईट : www.iricen.gov.in

वर्ष – 25 अक्तूबर–दिसंबर 2022

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन To Beam as a Beacon of Knowledge

इस अंक में

1. राष्ट्रपति भवन में भा.रे.इंजी.सेवा के परिवीक्षार्थी
2. इरिसेन दिवस समारोह
3. इरिसेन में प्रशिक्षित अधिकारियों का पदकों द्वारा सम्मान
4. भारतीय रेल इंजीनियरिंग संहिता–2022 का संशोधन
5. मुख्य पुल इंजीनियरों का सेमिनार
6. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 154 वीं बैठक
7. सतर्कता जागरूकता सप्ताह एवं राष्ट्रीय एकता दिवस
8. श्री रमेश कुमार झा, अपर महानिदेशक की विदाई
9. स्वागत / विदाई
10. समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट अधिकारी

ज्ञानदीप के 25वें (रजत जयंती) वर्ष का आखिरी अंक प्रस्तुत करते हुए हमें प्रसन्नता हो रही है। ज्ञानदीप ने 1997–2022 तक के दीर्घ कालखंड में इरिसेन के बहुत सारे उतार–चढ़ाव को आत्मसात किया है। ज्ञानदीप, इरिसेन की विकास यात्रा की घटनाओं को समेटने का सतत प्रयास करती है एवं प्रशिक्षण संबंधित या अन्य महत्वपूर्ण घटनाओं की स्मृतियों को चिरस्थाई रखने का कार्य कर रही है। रेल की विकास यात्रा में सिविल इंजीनियर्स को निपुण बनाने में इरिसेन ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इरिसेन भारतीय रेल के अधिकारियों के अतिरिक्त अन्य संबंधित भारतीय विभागों के अधिकारियों के प्रशिक्षण का कार्यक्रम भी नियमित रूप से आयोजित करता है।

तकनीकी प्रशिक्षण के स्तर की गुणवत्ता को बनाए रखने हेतु संकाय द्वारा प्रशिक्षण से संबंधित सॉफ्टेवयर का निर्माण कार्य,रेलवे के अधिकारियों के लिए स्टेशन रि–डेवलपमेंट प्रोजेक्ट पर पाठ्यक्रम आयोजित करना, भारतीय रेल इंजीनियरिंग संहिता संशोधित संस्करण, आईपीडब्ल्यूआई सेमिनार,रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार साइबर जागरुकता सप्ताह, सतर्कता जागरुकता सप्ताह, मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी सेमिनार इत्यादि का आयोजन अविरत किया गया है।

माह नवंबर, 2022 में 65वां इरिसेन दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर श्री राज कुमार मंगला/सदस्य इंफ्रास्ट्रक्चर/रेलवे बोर्ड के अलावा शीर्ष स्तर के अधिकारीगण एवं अन्य गणमान्य सेवारत एवं सेवानिवृत्त अधिकारियों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी।

रजत जयंती वर्ष भविष्य के लिए नई ऊर्जा, नए सपने, नई सोच, नई कल्पना के साथ नए आयामों को चिन्हित/निर्धारित करने का अवसर भी प्रदान करता है। इस संदर्भ में आपके बहुमूल्य सुझाव की सदैव प्रतीक्षा रहेगी।

–संपादकीय

1. राष्ट्रपति भवन में भा.रे. इंजी.सेवा के परिवीक्षार्थी

भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग सेवा के 2019 बैच के परिवीक्षार्थियों ने महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से दिनांक 16 दिसंबर, 2022 को राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की। भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान के लिए यह एक अविस्मरणीय दिन था जब देश की सर्वोच्च पदासीन महामहिम राष्ट्रपति ने इंजीनियरिंग के अधिकारियों को उनके फील्ड में प्रशिक्षण पूरा करने के बाद उनकी कार्यक्षमताओं को और अधिक विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

संरक्षक
अशोक कुमार
महानिदेशक
भा.रे.सि.इं.सं.पुणे

मुख्य संपादक
अविनाश कुमार
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
प्राध्यापक, रेलपथ 2

संपादक
राजू पाल
वरिष्ठ अनुवादक
सहयोग – उदय ताजणे, व.अनुवादक

महामहिम राष्ट्रपति के पास अन्य विभागों IRAS, IRPS, IRSE, IRSEE, IRSME, IRSSE, IRTS, RPF के परिवीक्षार्थियों सहित इस संस्थान से 11 परिवीक्षार्थियों का दल मुलाकात करने गया था। भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा के परिवीक्षार्थियों के दल के साथ श्री वी.के. त्रिपाठी, अध्यक्ष रेलवे बोर्ड, श्री राज कुमार मंगला,सदस्य इंफ्रास्ट्रक्चर,श्री अशोक कुमार,महानिदेशक इरिसेन एवं श्री राजेन्द्र कुमार कठल,सह प्राध्यापक–रेलपथ इरिसेन भी राष्ट्रपति भवन में मौजूद थे।राष्ट्रपति महोदया ने परिवीक्षार्थियों को संबोधित किया, उन्हें अपना लक्ष्य तय करने की प्रेरणा दी एवं सभी परिवीक्षार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

2.इरिसेन दिवस समारोह

दिनांक 10 एवं 11 नवंबर, 2022 को इरिसेन दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस शुभ अवसर पर श्री राज कुमार मंगला, सदस्य/ इंफ्रास्ट्रक्चर/ रेलवे बोर्ड कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। श्री राज कुमार मंगला, श्री ब्रजेश कुमार / अपर सदस्य सिविल इंजीनियरिंग/ रेलवे बोर्ड एवं श्री अशोक कुमार महानिदेशक इरिसेन ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया, तत्पश्चात सभी अधिकारीगण मंच पर विराजमान हुए।

श्री विनोद कुमार, से. नि. महाप्रबंधक/ मेट्रो रेल/ कोलकाता, प्रधान मुख्य इंजीनियर, मध्य रेल एवं अन्य गणमान्य सेवारत एवं सेवानिवृत्त अधिकारियों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। श्री राजेश कुमार शेखावत, वरिष्ठ प्राध्यापक/ परियोजना ने कार्यक्रम का संचालन किया।

श्री अशोक कुमार, महानिदेशक, इरिसेन ने उपस्थित अधिकारियों का स्वागत करते हुए अपने संबोधन में कहा कि इरिसेन ने वर्तमान में प्रशिक्षण की परंपरा में बदलाव किए हैं। रेलवे अधिकारियों के अतिरिक्त इरिसेन में MES, RLDA, DFCCIL के अधिकारियों को भी प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहे हैं। कोरोना काल के दौरान प्रशिक्षण ऑन लाइन माध्यम से दिया जाता था अब उन्हें ऑफ लाइन प्रारंभ कर दिया गया है। रेल अधिकारियों के लिए स्टेशन डेवलपमेंट बिल्डिंग प्रोग्राम पर भी पाठ्यक्रम आयोजित किए गए। प्रशिक्षण की गुणवत्ता में किए गए एडवान्समेंट के बारे में भी जानकारी दी। अंत में उन्होंने इरिसेन, विद्या के मंदिर में उपस्थित सभी अधिकारियों का एक बार पुन: स्वागत किया।

श्री राज कुमार मंगला/सदस्य इंफ्रास्ट्रक्चर/ रेलवे बोर्ड ने अपने संबोधन में इरिसेन में वर्ष 1996 बैच के अधिकारियों को 25 वर्षों की रेल सेवा पूरी करने पर बधाई दी। इस भव्य समारोह के आयोजन के लिए संपूर्ण इरिसेन टीम का धन्यवाद व्यक्त किया। भारतीय रेल में सिविल इंजीनियरिंग विभाग की महत्ता के बारे में भी महत्वपूर्ण बातें बताई। भारतीय रेल के विशाल संगठन में सभी विभागों को अलग – अलग न रहकर एकजुट होकर काम करना है। सदस्य इंफ्रास्ट्रक्चर ने अपने संबोधन में बताया कि वे यांत्रिक विभाग से हैं और इरिसेन में इस समारोह में उपस्थिति का पहला अवसर अविस्मरणीय रहेगा। उन्होंने अपने प्रशिक्षण काल के विभिन्न अनुभवों को याद कर कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों को भी सभी के समक्ष साझा किया। अपने संबोधन में उन्होंने सभी केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थानों के लिए इरिसेन एक बैंचमार्क है इसका भी उल्लेख किया।

इस अवसर पर श्री राज कुमार मंगला,सदस्य इंफ्रास्ट्रक्चर रेलवे बोर्ड ने 1996 बैच के अधिकारियों को भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा की रजत जयंती के अवसर पर स्मृतिचिन्ह प्रदान किए तथा इरिसेन द्वारा प्रकाशित 'हैंडबुक ऑफ मटेरियल टेस्टिंग', 'रेल ग्रांइडिंग', 'रेन वाटर हार्वेस्टिंग', 'मोनोग्राफ ऑन फियाट बोगी' आदि पुस्तकों एवं 'यूएसएफडी टेस्ट बुकलेट'सहित इरिसेन जर्नल का भी विमोचन किया गया।

इरिसेन दिवस के अवसर पर दिनांक 10 नवंबर, 2022 को दो सत्रों में तकनीकी सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में प्रशिक्षु अधिकारी, संकाय सदस्य के अलावा गणमान्य अतिथि उपस्थित थे । कार्यक्रम का संचालन श्री शरद कुमार अग्रवाल, प्राध्यापक – पुल –1 ने किया।

इस सेमिनार में आईआरएसई बैच 1996 के अधिकारियों ने पेपर प्रस्तुत किए। प्रथम सत्र के अध्यक्ष एवं सह अध्यक्ष के रूप में क्रमश: श्री विनोद कुमार, सेवानिवृत्त/महाप्रबंधक/मेट्रो रेल/कोलकाता एवं श्री पी. के. आचार्य, सेवानिवृत्त रेल संरक्षा आयुक्त ने संचालित किया एवं इस सत्र के प्रथम विषय– 1.Introduction of 25 T Axle load at 100 kmph on Indian Railways. 2. Raising speed upto 160 kmph on Indian Railways,पर श्री अनूप कुमार/CPM/GSU/Kota/WCR, श्री अभिमन्यू सेठ/CPM/Electrical/ Gati Shakti unit/WCR/Kota, श्री सचिन शुक्ला/Chief S&TEngineer/Gati Shakti unit/WCR/Kota, डॉ. संजीव कुमार/CPM/DMRC/ New Delhi, श्री भावेश कुमार झा/CPM/ MRVC/ Mumbai, श्री उदय प्रसाद सिंह/CPM/NHSRC/ Mumbai ने पेपर प्रस्तुत किए।

दूसरे सत्र के अध्यक्ष एवं सह अध्यक्ष के रूप में क्रमश: श्री अरविंद कुमार, सेवा निवृत्त निदेशक/राइट्स श्री टी.के. पांडे, कार्यकारी निदेशक/ ट्रैक मॉडर्नाइजेशन एवं मशीन ने संचालित किया। इस सत्र के दो विषयों 1. "Challenges in Station Development Projects & use of Innovative Techniques" एवं 2. "Miscellaneous" पर पेपर प्रस्तुत किए ।

इरिसेन दिवस की पूर्व संध्या पर भा.रे.इंजी.सेवा के अधिकारियों एवं उनके परिवार के सदस्यों तथा संस्थान के कर्मचारियों द्वारा उत्साहपूर्वक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की सभी ने प्रशंसा की।

3. इरिसेन में प्रशिक्षित अधिकारियों का पदकों द्वारा सम्मान

हर वर्ष संस्थान के स्थापना दिवस पर IRSE परिवीक्षार्थी अधिकारी एवं समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए निम्न पदक एवं नकद पुरस्कार सदस्य इंफ्रास्ट्रक्चर/रेलवे बोर्ड के कर-कमलों द्वारा प्रदान किए जाते हैं।

इरिसेन स्वर्ण पदक एवं ₹ 5000 नकद पुरस्कार – यह स्वर्ण पदक एवं पुरस्कार संपूर्ण प्रशिक्षण अवधि में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले आई.आर.एस.ई. परिवीक्षाधीन अधिकारी को प्रदान किया जाता है।

इरिसेन रजत पदक एवं ₹ 4000 नकद पुरस्कार – संपूर्ण प्रशिक्षण अवधि में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले आई.आर.एस.ई. परिवीक्षाधीन अधिकारी को प्रदान किया जाता है ।

इरिसेन पदक एवं ₹ 3000 नकद पुरस्कार – संपूर्ण प्रशिक्षण अवधि में तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले आई.आर.एस.ई.परिवीक्षाधीन अधिकारी को प्रदान किया जाता है।

IPWE(I) **स्वर्ण पदक एवं रजत पदक –** समेकित पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण के दौरान क्रमश: प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले अधिकारियों को प्रदान किया जाता है। यह पदक IPWE (I) इरिसेन पुणे द्वारा स्थापित किया गया है।

65वें इरिसेन दिवस पर भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा बैच 2018 के उत्कृष्टता प्राप्त परिवीक्षार्थियों एवं विभिन्न समेकित पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण के दौरान प्रथम/द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले अधिकारियों को श्री राज कुमार मंगला/सदस्य इंफ्रास्ट्रक्चर/रेलवे बोर्ड ने निम्नानुसार पदक प्रदान किए ।

भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा बैच 2018

श्रीमती सीमा श्रोत्रिय / सहा.मंडल इंजी./पानीपत/दिल्ली मंडल/उत्तर रेल को इरिसेन स्वर्ण पदक एवं नकद पुरस्कार ₹ 5000

श्री आशिष गुप्ता / सहा. मंडल इंजी./ललितपुर/झांसी, उत्तर मध्य रेल को इरिसेन रजत पदक एवं नकद पुरस्कार ₹ 4000

श्री निखिल विरधि, सहा. मंडल इंजी./ संकलेशपुर / मैसूर मंडल/ दक्षिण मध्य रेल को इरिसेन कांस्य पदक एवं नकद पुरस्कार ₹ 3000

सत्र संख्या 21102 के श्री विकास कुमार मिश्रा, AXEN/Const./RNC / SER को स्वर्ण पदक एवं श्री सुशील कुमार, AXEN/Con./CDG/NR को रजत पदक

सत्र संख्या 22101 के श्री मानस कुमार रौत, ADEN/RAIR/ECOR को स्वर्ण पदक एवं श्री गौतम कुमार / ATE/JMP/ER, रजत पदक

सत्र संख्या 22102 के श्री उमाशंकर पाढ़ी, ADEN/BRGA/ECORको स्वर्ण पदक एवं श्री पार्था मित्रा /ADEN/NDAE/ER, रजत पदक

(स्वर्ण पदक/रजत पदक से सम्मानित समेकित पाठ्यक्रम के अधिकारीगण)

4.भारतीय रेल इंजीनियरिंग संहिता-2022 का संशोधन

रेलवे बोर्ड के दिनांक 09.06.2022 के आदेश संख्या ERB-I/2022/23/C13 के अधीन भारतीय रेल इंजीनियरिंग संहिता (संशोधित प्रकाशन 1982, चतुर्थ पुनर्मुद्रण) के लिए समिति गठित की गई। इस समिति में महानिदेशक/इरिसेन(अध्यक्ष),अपर महानिदेशक/ एसएसटीडब्ल्यू/ इरिसेन (संयोजक), इरिसेन के 12 वरिष्ठ प्राध्यापक सदस्य तथा क्षेत्रीय रेलों के मुख्य इंजीनियर शामिल थे। इस कार्य को समय सीमा के भीतर पूरा कर अनुमोदन हेतु रेलवे बोर्ड भेज दिया गया है।

5. मुख्य पुल इंजीनियरों का सेमिनार

इरिसेन में दिनांक 24 एवं 25 अक्तूबर, 2022 को मुख्य पुल इंजीनियर का सेमिनार आयोजित किया गया, जिसमें क्षेत्रीय रेलों के मुख्य पुल इंजीनियरों एवं रेलवे बोर्ड के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। सेमिनार में श्री वी. पी. सिंह, प्रधान कार्यकारी निदेशक, रेलवे बोर्ड, श्री राजेश श्रीवास्तव, कार्यकारी निदेशक (ब्रिज एवं स्ट्रक्चर), आरडीएसओ, श्री मोहित वर्मा, निदेशक (ब्रिज एवं स्ट्रक्चर), आरडीएसओ उपस्थित थे। बैठक की अध्यक्षता महानिदेशक श्री अशोक कुमार द्वारा की गई एवं उपस्थित सदस्यों को संबोधित किया साथ ही कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा भी की। सेमिनार में विभिन्न मदों पर अर्थात बियरिंग, बीएमएस, कोड़ एवं नियमावली, पैदल ऊपरि पुल (एफओबी), एचएसएफजी बोल्ट, दिशा-निर्देश, आरडीएसओ – डिजाइन एवं ड्राइंग, सड़क ऊपरि पुल (आरओबी), कर्मचारी मामलें आदि विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई और मेसर्स जिंदाल इन्फिनिटी इंन्फ्रा सोलुशन्स द्वारा 'स्टेनलेस स्टील फॉर ब्रिजेज, टनेल्स एण्ड रोड्स्' पर प्रस्तुतिकरण भी दिया गया। सेमिनार की सार्थकता को देखते हुए प्रतिभागियों ने इसकी बहुत सराहना की।

6. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 154 वीं बैठक

संस्थान में 02 दिसंबर, 2022 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 154 वीं बैठक का आयोजन किया गया। महानिदेशक महोदय ने अपने संबोधन में राजभाषा सप्ताह और इरिसेन दिवस के सफल आयोजन के लिए प्रसन्नता व्यक्त की तथा संस्थान में राजभाषा कार्य के प्रगति की सराहना की। उन्होंने बताया कि राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का उद्देश्य हिंदी की प्रगति के संबंध में विचारों का आदान-प्रदान करना है। संस्थान में छुट्टी

के आवेदन एवं अन्य आवेदन भी शत–प्रतिशत हिंदी में प्रस्तुत किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि हिंदी में कार्य करना बहुत ही आसान है, सभी प्रकार की नोटिंग शत–प्रतिशत हिंदी में प्रस्तुत की जाए, अंग्रेजी के तकनीकी शब्दों का अनुवाद कठिन हो तो उसे देवनागरी रूप में लिखा जाए, इससे समझने में आसानी होगी और अपना कार्य सरलतापूर्वक कर सकेंगे।

उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं बैठक के उपाध्यक्ष श्री अविनाश कुमार ने राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में बताया कि धारा 3(3) के अंतर्गत आनेवाले कागजात द्विभाषी जारी किए जाएं। वर्तमान में कैट बैठक की कार्यसूची एवं कार्यवृत्त द्विभाषी जारी किए जाते हैं। अपनी भाषा में मौलिक लेखन से अभिव्यक्ति बहुत ही सहज और स्वाभाविक होती है जो अनुवाद की भाषा से संभव नहीं है। राजभाषा के कार्य में कठिनाई होने पर राजभाषा अनुभाग की सहायता ली जाए। तकनीकी क्षेत्र होने के बावजूद संस्थान में राजभाषा का स्थान सर्वोपरि है। हमारे सामूहिक एवं सार्थक प्रयासों से वांछित परिणाम अवश्य प्राप्त होंगे।

7. सतर्कता जागरूकता सप्ताह एवं राष्ट्रीय एकता दिवस

संस्थान में दिनांक 28 अक्टूबर से 02 नवंबर 2022 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर कर्तव्य के प्रति जागरूकता एवं सत्यनिष्ठा बनाए रखने के लिए 31 अक्टूबर,2022 को अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस शपथ का उद्देश्य सभी क्षेत्रों में ईमानदारी एवं पारदर्शिता बरतने और भ्रष्टाचार के विरुद्ध सख्ती से लड़ने के प्रति वचनबद्धता को सुदृढ करना था। सतर्कता आयोग ने इस वर्ष सतर्कता जागरुकता सप्ताह के लिए 'एक विकसित राष्ट्र के लिए भ्रष्टाचार मुक्त भारत' की थीम थी।

8. श्री रमेश कुमार झा, अपर महानिदेशक की विदाई

संस्थान के अपर महानिदेशक श्री रमेश कुमार झा का पदोन्नति पर स्थानांतरण महानिदेशक (विशेष) आरडीएसओ/लखनऊ के पद पर हुआ है । आप दिनांक 20 दिसंबर,2022 को संस्थान के कार्यभार से मुक्त हुए । संस्थान आपके सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

9. स्वागत एवं विदाई

श्री वी.शशिकुमार,सी.से.इंजी./कार्य/आईसीएफ / चेन्नई ने दि. 14 अक्टूबर,2022 को इरिसेन में वरिष्ठ अनुदेशक/कार्य के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। इरिसेन में आने से पूर्व आप सी.से.इंजी./कार्य/आईसीएफ चेन्नई में कार्यरत थे। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।

श्री विनोद बापु हिरवे, सी.से.इंजी./स.एवं मा./पुणे मंडल ने दिनांक 03 नवंबर,2022 को इरिसेन में वरिष्ठ अनुदेशक /यांत्रिक –2 के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। इरिसेन में आने से पूर्व आप सी.से.इंजी./स.एवं मा./पुणे मंडल में कार्यरत थे। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।

श्री नितीन मुकेश मेहता, सी.से.इंजी./रेलपथ/भुसावल ने दिनांक 14 नवंबर, 2022 को इरिसेन में वरिष्ठ अनुदेशक/रेलपथ के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। इरिसेन में आने से पूर्व आप सी.से. इंजी./रेलपथ/भुसावल मंडल में कार्यरत थे। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।

श्री सुप्रज्ञा कुमार, सी.से.इंजी./रेलपथ/पुणे मंडल ने दिनांक 22 नवंबर, 2022 को इरिसेन में वरिष्ठ अनुदेशक/रेलपथ के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। इरिसेन में आने से पूर्व आप सी.से.इंजी./रेलपथ/ पुणे मंडल में कार्यरत थे। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।

संस्थान में कार्यरत श्री प्रदीप तावडे, वरिष्ठ तकनीशियन / कंप्यूटर अनुभाग की सेवानिवृत्ति दिनांक 31 अक्टूबर, 2022 को हुई। सेवानिवृत्ति पर संस्थान आपकी दीर्घायु एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता है और शुभकामनाएं देता है।

संस्थान में कार्यरत श्री वी. गणेश, वरिष्ठ अनुदेशक / रेलपथ की सेवानिवृत्ति दिनांक 30 नवंबर, 2022 को हुई। सेवानिवृत्ति पर संस्थान आपकी दीर्घायु एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता है और शुभकामनाएं देता है।

10. समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट अधिकारी

सत्र संख्या क्र. 21102

प्रथम

विकास कुमार मिश्रा,
सहा. कार्यकारी इंजी. / (नि.) रांची, दक्षिण पूर्व रेल

द्वितीय

सुशिल कुमार,
सहा. कार्य. इंजीनियर/ (नि.) चंडीगढ, उत्तर रेल

तृतीय

प्रविंद्र कुमार,
सहा. इंजी./ टीएम सी/सीपीओएच/ कंचरापारा, पूर्व रेल

त्रुटि सुधार – अंक 97 में समेकित पाठ्यक्रम संख्या 22102 के अधिकारी प्रथम मित्रा के स्थान पर उनका नाम श्री पार्था मित्रा, सहायक इंजीनियर, नबाडविप धाम, पूर्व रेल इस प्रकार से पढ़ा जाए।

श्री अविनाश कुमार, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, रेलपथ 2 भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे–। द्वारा केवल सीमित नि:शुल्क वितरण हेतु प्रकाशित ।